

मंजिल पुं (देश.) 6. वृक्ष विशेष 7. एक तरह का कपड़ा जिससे महाराष्ट्र की स्त्रियाँ चोली बनाती हैं स्त्री (अर.) रुपए, पैसे आदि के बजने की आवाज, खनक।

**खनक** पुं. (तत्.) 1. खान खोदने वाला आदमी 2. संध लगाने वाला चोर, वह स्थान जहाँ सोना आदि उत्पन्न होता है 3. भूगर्भ शास्त्र जानने वाला व्यक्ति 4. चूहा, मूसा स्त्री. (अनु.) खनखनाने की क्रिया या भाव, खनखनाहट वि. (देश.) जमीन खोदनेवाला।

**खनकना** अ.क्रि. (अनु.) खन-खन करके बजना, खनखनाना।

**खनकाना** सं.क्रि. (देश.) 'खन' 'खन' ध्वनि उत्पन्न करना जैसे- उसने जब चूडियाँ खनकाई, तो सभी लोगों की नजर उसकी ओर चली गई।

**खनकार** स्त्री. (अनु.) खनक, झंकार।

**खनन** पुं. (तत्.) खोदना, गाड़ना।

**खनना** स.क्रि. (तद्.) खोदना, कोड़ना।

**खनयित्री** स्त्री. (तत्.) खोदने का औजार, खंती।

**खनवाना** स.क्रि. (देश.) किसी को खनन के काम में प्रवृत्त करना।

**खनहन** वि. (तद्.) 1. दुबला पतला, कमजोर, जिसमें भद्दापन न हो, खूबसूरत, सुंदर।

**खनि** स्त्री. (तत्.) 1. रत्नों की खान 2. गुफा, कंदरा 3. गर्त, गड़ढा।

**खनिक** स्त्री. (तत्.) खदान या खान खोदने वाला व्यक्ति 2. खान का स्वामी वि. (देश.) खान खोदने वाला।

**खनिज** पुं. (तत्.) खाने से खोद कर निकाला हुआ पदार्थ जैसे- खनिज पदार्थ।

**खनिता** पुं. (तत्.) खनक या खोदने वाला व्यक्ति।

**खनित्र** पुं. (तत्.) 1. खंता 2. फावड़ा।

**खनित्रिका** स्त्री. (तत्.) 1. खंती 2. छोटी कुदाली।

**खनिभोग** पुं. (तत्.) वह प्रदेश जिसमें धातु की खानें हों और जहाँ के निवासियों का निर्वाह खानों में काम करने से होता हो।

**खनियाना** स.क्रि. (देश.) 1. खाली करना, रिक्त करना 2. खोदना।

**खन्ना** पुं. (तद्.) 1. चारा काटने का स्थान 2. खत्रियों का एक वर्ग।

**खपचा** पुं. (देश.) 1. बाँस का नोकदार चौड़ा टुकड़ा 2. लकड़ी की कलछी स्त्री. बाँस की खपच्ची।

**खपची** स्त्री. (देश.) 1. बाँस की पतली तीली 2. कमठी 3. कबाब भूनने की सीक या सलाई 4. बाँस की वह पटरी जिससे डॉक्टर या जर्ह टूटा हुआ अंग बाँधते हैं।

**खपच्ची** स्त्री. (देश.) बाँस का पतला चौड़ा टुकड़ा वि. (देश.) दुर्बल।

**खपटी** स्त्री. (देश.) 1. छोटा कपड़ा 2. खपची।

**खपड़ा** पुं. (तद्.) 1. मिट्टी का आग में पका हुआ टुकड़ा जो मकान की छाजन पर रखने के काम आता है, मिट्टी का खप्पर 2. टूटे हुए बर्तन का टुकड़ा 3. चौड़े फल का बाण 4. घड़े का नीचे का आधा भाग 5. कछुए की पीठ का कवच या कड़ा आवरण।

**खपड़ी** स्त्री. (देश.) 1. मिट्टी का कटोरानुमा बर्तन जिसमें भड़भूँजे दाना भूनते हैं 2. ठीकरा, छोटा खपड़ा।

**खपत** स्त्री. (देश.) 1. खपने का भाव, खर्च 2. माल की बिक्री 3. निबाह।

**खपना** अ.क्रि. (देश.) 1. खर्च करना, लगना 2. चल जाना निभ जाना 3. गुजारा होना, समाई होना 4. तंग होना, मरना उदा. बाजार में माल खपना, ब्याह में रुपया खपना, पूड़ियों में घी खपना।

**खपराली** स्त्री. (देश.) खप्पर धारण करने वाली जोगिनी, डाकिनी आदि।

**खपरिका** स्त्री. (तद्.) छतरी, छाता।